परिशिष्ट सारणी 1 : राज्य सरकारों के प्रमुख घाटा संकेतक

(राशि करोड़ रुपए में)

वर्ष	सकल राजकोषीय घाटा	राजस्व घाटा	परंपरागत घाटा	प्राथमिक घाटा	भा.रि.बैंक से राज्यों को निवल ऋण
1	2	3	4	5	6
1990-91	18,787	5,309	-72	10,132	420
	(3.3)	(0.9)	(-0.0)	(1.8)	(0.1)
1991-92	18,900	5,651	156	7,956	-340
	(2.9)	(0.9)	(0.0)	(1.2)	(-0.1)
1992-93	20,891	5,114	-1,829	7,681	176
	(2.8)	(0.7)	(-0.2)	(1.0)	(0.0)
1993-94	20,364	3,872	363	4,564	591
	(2.4)	(0.4)	(0.0)	(0.5)	(0.1)
1994-95	27,308	6,706	-4,346	7,895	48
	(2.7)	(0.7)	(-0.4)	(0.8)	(0.0)
1995-96	30,870	8,620	-2,680	9,031	16
	(2.6)	(0.7)	(-0.2)	(0.8)	(0.0)
1996-97	36,561	16,878	7,202	11,175	898
	(2.7)	(1.2)	(0.5)	(0.8)	(0.1)
1997-98	43,474	17,492	-1,803	13,675	1,543
	(2.8)	(1.1)	(-0.1)	(0.9)	(0.1)
1998-99	73,295	44,462	3,268	37,854	5,579
	(4.2)	(2.5)	(0.2)	(2.2)	(0.3)
1999-00	90,099	54,548	3,125	45,458	1,312
	(4.6)	(2.8)	(0.2)	(2.3)	(0.1)
2000-01	87,923	55,316	-2,379	36,937	-1,092
	(4.2)	(2.6)	(-0.1)	(1.8)	(-0.1)
2001-02	94,260	60,398	3,545	32,665	3,451
	(4.1)	(2.7)	(0.2)	(1.4)	(0.2)
2002-03	99,726	57,179	-4,291	30,699	-3,100
	(4.1)	(2.3)	(-0.2)	(1.3)	(-0.1)
2003-04	1,20,631	63,407	-526	40,235	293
	(4.4)	(2.3)	(-0.0)	(1.5)	(0.0)
2004-05	1,07,774	39,158	-10,232	21,353	-2,705
	(3.4)	(1.2)	(-0.3)	(0.7)	(-0.1)
2005-06	90,084	7,013	-33,947	6,060	2,425
	(2.5)	(0.2)	(-0.9)	(0.2)	(0.1)
2006-07	77,508	-24,857	-16,324	-15,672	640
	(1.9)	(-0.6)	(-0.4)	(-0.4)	(0.0)
2007-08 (ब.अ.)	1,08,323	-11,973	-1,075	5,648	–
	(2.3)	(-0.3)	(-0.0)	(0.1)	–
2007-08 (सं.अ.)	1,07,958	-22,526	24,112	5,080	-3,486
	(2.3)	(-0.5)	(0.5)	(0.1)	(-0.1)
2008-09 (ब.अ.)	1,12,653	-28,426	-2,358	4,270	–
	(2.1)	(-0.5)	(-0.0)	(0.1)	–

ब.अ. : बजट अनुमान सं.अ. : संशोधित अनुमान '–' : उपलब्ध नहीं।

टिप्पणी :
1. (-) घाटा संकेतक के लिए अधिशेष दर्शाता है।
2. परंपरागत घाटे कुल संवितरण और कुल प्राप्तियों के बीच अंतर दर्शाते है। कुल प्राप्तियों में (i) राजस्व प्राप्तियाँ (ii) भा.रि.बैंक से अर्थोपाय अग्रिम और ओवरड्राफ्ट को छोड़कर पूंजीगत प्राप्तियाँ तथा (iii) नकद शेष निवेश खाता से आहरण और भा.रि.बैं. में जमाराशि को छोड़कर लोक लेखा के अंतर्गत निवल प्राप्तियाँ शामिल हैं। कुल संवितरण में (i) राजस्व व्यय और (ii) भा.रि.बैंक से अर्थोपाय अग्रिम और ओवरड्राफ्ट की चुकौती के अलावा पूंजीगत संवितरण शामिल हैं।
3. राजस्व घाटे से तात्पर्य है : राजस्व प्राप्तियों और राजस्व व्यय के बीच का अंतर।
4. सकल राजकोषीय घाटा को घटाकर ऋण चुकौती कुल संवितरण से राजस्व प्राप्तियों, ऋणेतर पूंजी प्राप्तियों और कर्ज तथा अग्रिम की वसूली घटाकर है।
5. प्राथमिक घाटे से तात्पर्य है : ब्याज भुगतान निकालने के बाद सकल राजकोषीय घाटा।
6. कोष्ठकों के आंकड़े सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत हैं।
7. जम्मू और कश्मीर के 1990-91 से 2006-07 के आंकड़े तथा झारखंड के 2001-02 से 2006-07 के आंकड़े संशोधित अनुमानों से संबंधित हैं।
8. भारतीय रिजर्व बैंक से राज्यों को निवल ऋण से तात्पर्य है : भारतीय रिजर्व बैंक से राज्यों को भारतीय रिजर्व बैंक के पास रखी उनकी वृद्धिशील जमाराशियों को घटाकर दिए गए ऋण तथा अग्रिम में घटबढ़।

स्रोत : राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज और भारतीय रिजर्व बैंक अभिलेख।